

पाठ 6 पाठ

পিছলৈ উভতি চাওঁ

आओ, पीछे देखें

सुशीला : तুমि केतियावा असमलै गैछा
ने?

लीना : मप्प केतियाओ योरा नाम्प।
दार्जिलिङ्ग सिफाले मप्प देखा
नाम्प।

सुशीला : मय्ना सेम्पफाले योरा नाम्प।

किन्तु दूर-दर्शनत देखिछौ।
असमखन सेउजीया गछ गछनिबे
भरा। चाह बागिछाबोब चाले
चकुबोरा।

लीना : आरु काजिबङ्गा, मानस -- एको
एकोखन मनोबम अउयाबण।
हाती, बाघ, गँड आरु हबिगाबे
ठाह थोरा। काजिबङ्गा गँड
एशिङ्गीया। मप्प असमब
आपुङ्गीया सम्पद।

सुशीला : आरु महाबाल ब्रह्मपुत्र! नदी नहय,
येन एखन चल्ल सागर।

लीना : ब'ला गरम बक्रत आमि तालै

सुशीला : तुम कभी असम गई हो क्या?

लीना : मैं कभी नहीं गई हूँ। दार्जिलिङ के
आगे नहीं गई हूँ।

सुशीला : मैं भी उस दिशा में नहीं गई हूँ।
किन्तु दूरदर्शन में देखा है। असम
हरे-हरे पेड़-पौधों से भरा है। चाय
के बगीचे देखने में नयनाभिराम हैं।

लीना : और काजिरंगा मानस जैसे एक से
एक मनोरम अभयारण्य हैं। ये
हाथी, बाघ, गैंडा और हरिणोंसे
भरे हैं। काजिरंगा के गैंडे एक
सींगवाले होते हैं। असम की यह
दुर्लभ संपदा है।

सुशीला : और महाबाहु ब्रह्मपुत्र! यह तो नदी
नहीं मानो एक बहता हुआ सागर
है।

लीना : चलो, गर्मी का छुट्टी में वहीं चलें।

याँ।

चन्दन : बाष्पदेउ गबम बक्त तईत कलै
यार? मोको लगत ल।

सुशीला : आमि असमलै ओलास्पछौ। गबम
बक्त नायाँ भास्प। तेतिया तात
डब बाबिसा। प्रबल धुमुहा। कलहब
काणे टला बरषुण। ताते बानपानी
आरु भूमिकस्प। किन्तु आमि
तोक निनिँ चन्दन। तोब परीक्षा
ओचर चापिछे। तस्प घरते थाक।

लीना : तेनेहले बाबिसा असम सुगम
नहय।

सुशीला : हयतो आको। किय सिदिना
आये कोरा नास्प?

लीना : एबा। तेनेहले आमिओ एतिया
नोलाँ। चन्दनबो परीक्षा शेष
होक।

चंदन : दीदी, गर्मी की छुट्टी में तुमलोग
कहाँ जा रही हो? मुझे भी साथ ले
चलें!

सुशीला : हम असम के लिए निकल रहे हैं।
गर्मी की छुट्टी में नहीं जाएंगे भाई।
तब वहाँ भारी वर्षा (होती) है।
भारी तूफान होता है। (मानो) घड़ों
से पानी डाला जा रहा है। उस
समय बाढ़ और भूकम्प आते हैं।
किन्तु चंदन, हम तुम्हें नहीं ले
चलेंगे। तुम्हारी परीक्षा पास है।
तुम घर पर रहो।

लीना : तब तो बरसात में असम जाना
ठीक नहीं होगा।

सुशीला : बेशक। उस दिन माताजी ने भी
यही नहीं कहा था क्या?

लीना : ठीक है। तब तो हम भी अभी नहीं
जाएँगे। चंदन की परीक्षा भी खतम
होने दो।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
केतियाबा	केतियाबा	कभी
सिफाले	सिफाले	उस पार
देखा नास्प	देखा नाइ	नहीं देखा

যোৱা নাম্প	জোবা নাই	নহীঁ গয়া
গছ গছনি	গস গসনি	পেড়-পৌধে
ভৰা	ভৰা	ভৰা
চাহ বাগিচা	সাহ বাগিসা	চায় কী বগীচে
চালে চকুৰোৱা	সালে সোকুৰোবা	নয়নাভিৰাম
একোখন	একোখন	এক সে এক
মনোৰম	মনোৰম	মনোৰম
অভয়াৰণ্য	অভয়াৰণ্য	অভয়াৰণ্য
হাঁতী	হাঁতী	হাথী
বাঘ	বাঘ	বাঘ
গঁড়	গঁড়	গঁড়া
হৰিণা	হৰিণা	হৰিণ
ঠাঁহ খোৱা	থাঁহ খোৱা	ভৰে হেঁ
আপুৰুগীয়া	আপুৰুগীয়া	দুৰ্লভ
সম্পদ	সম্পদ	সম্পদা
চলন্ত	চলন্ত	বহতা হুআ
বাম্পদেউ	বাঙ্‌দেউ	দীদী
তেতিয়া	তেতিয়া	তব
ভৰ বাৰিষা	ভৰ বাৰিসা	ভৰী বৰসাত
প্রবল	প্রবল	ভাৰী
ধুমুহা	ধুমুহা	তুফান
এৰা	এৰা	ঠীক হৈ
এৰা	তেনেহলে	তব

তেনেহলে

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(क) तুমि केतियाबा असमलै गैछा ने?

→ आपुनि केतियाबा असमलै गैछे ने?

1. ब'ला, आमि असमलै याउँ।
2. तहँत कलै यार?
3. मोको लगत ल।
4. तम्प घरते थक।
5. तুমि काजिबङ्गा देखा नाम्प ?

(ख) तুমि असमलै गैछा।

→ तুমि असमलै योरा नाम्प।

1. तुमि गँडु देखिछा।
2. माये कथाटो कैछे।
3. परीक्षा हैछे।
4. मम्प कितापखन पढिछौं।
5. आपुनि चिठि लिखिछे।
6. मम्प बाबिषा असमलै याउँ।

II. कोष्ठक में दिए हुए दो शब्दों में से एक को चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

1. गरम बस्तु तहँत _____ यार? (कलै/क'त)

2. আমি এতিয়া অসমলৈ _____ । (নোলায়/নোলাওঁ)
3. আমি এতিয়া _____ নাযাওঁ। (তাত/তালৈ)
4. অসমখন _____ ভৰা। (গছ গছনিৰে/গছ গছনিয়ে)
5. তুমি _____ গঁড় দেখিছা নে? (কেতিয়াও/কেতিয়াবা)

III. কোষ্টক মেন্ দিএ গাএ শব্দোঁ কে উপযুক্ত রূপোঁ সে বাক্য পূৰে কীজিএ।

1. তুমি কেতিয়াবা _____ গৈছা নে? (অসম)
2. মম্প _____ গঁড় দেখিছোঁ। (দূৰদৰ্শন)
3. মম্প _____ সিফালে যোৱা নাম্প। (দাৰ্জিলিং)
4. অসমৰ _____ গঁড় আছে। (কাজিৰঙা)
5. দাৰ্জিলিঙৰ _____ বেছি দূৰ নহয়। (গুৱাহাটী)

IV. এক বাক্য মেন্ উত্তৰ দীজিএ।

1. লীনা অসমলৈ কেতিয়াবা গৈছে নে?
2. সুশীলাম্প অসম নিজ চকুৰে দেখিছে নে?
3. অসমৰ চাহ বাগিচাবোৰ কেনেকুৱা?
4. ব্ৰহ্মপুত্ৰ সৰু নৈ হয় নে?
5. চন্দনৰ পৰীক্ষা হৈছে নে?

V. উদাহৰণ কে অনুসার দিএ গাএ শব্দোঁ কো সহী ক্ৰম মেন্ ৰখকৰ বাক্য বনাইএ।

উদাহৰণ:

মম্প নাম্প দেখা দাৰ্জিলিং কেতিয়াও

মম্প কেতিয়াও দাৰ্জিলিং দেখা নাম্প।

1. অসমলৈ ছুতি বন্ধৰ গৰম যাম আমি

2. ধুমুহা অসমত প্ৰচণ্ড কেতিয়াবা হয়
 3. আছে চাহ অসমত বাগিচা বহুতো
 4. গঁড় কাজিৰঙাৰ সম্পদ এশিঙীয়া আপুৰুগীয়া অসমৰ
- VI. বিস্তাৰ সেই উত্তৰ দীজিও :

1. অসমৰ সৌন্দৰ্য্যৰ বিষয়ে তিনি-চাৰিটা বাক্য লিখক।
2. কাজিৰঙা কি ? তাত কি কি চাবলগীয়া আছে ?
3. বৰ্ষাকালৰ অসমৰ বিষয়ে লিখক।

पढ़िए और समझिए।

অসমীয়া পৰিয়ালত

যোগান বিষয়া হিচাপে যুগিন্দৰ সিং অলপতে মৰিয়নিৰ কাৰ্য্যালয়ত যোগদান কৰিছে। তেওঁ অসমলৈ দুবছৰ আগতে আহিছে। এম্পয়া তেওঁৰ দ্বিতীয় কৰ্মস্থান। বিৰাজ কুমাৰ ডেকা সিঙৰ এজন ভাল বন্ধু। সৎপাল সিং যোগান বিভাগৰ চৰকাৰী বাসভৱনত থাকে। এদিন মি. ডেকাম্প সিঙক তেওঁলোকৰ ঘৰলৈ মাতিলে। মি. সিং যথাসময়ত উপস্থিত হ'ল। তেওঁলোকে চ'ৰাঘৰত বহি কথা আৰম্ভ কৰিলে।

ডেকাম্প কলে, 'মি. সিং আপুনি নিশ্চয় অসমীয়া মানুহৰ ঘৰলৈ আগতে যোৱা নাম্প! দৈ, চিৰা, আঁঠে, মুৰি, বৰা চাউল, চুঙাপিঠা খোৱা নাম্প! এম্পবোৰ অসমীয়া মানুহৰ প্ৰিয় জলপান। আজি আমাৰ ঘৰত এনেকুৱা জলপানেম্প কৰিছে।' যুগিন্দৰ সিং এ আগতেও অসমীয়া আহাৰৰ জুতি লৈছে। তেওঁ সেম্প কথা কলে।

ডেকাম্প মাজতে সুধিলে, ‘আপুনি স্থানীয় উৎপাদন, মানে বাঁহ বেতৰ কাম, তাঁতৰ কাম আদিৰ কিবা কিনিছেনে?’ যুগিন্দৰ সিঙে স্পতিসূচক ভাবে মূৰ যোকাৰিলে। তেখেতে বয় বস্তু বিশেষ কিনা নাস্প।

কেৱল মিচেচ সিঙৰ বাবে এযোৰ পীৰ কাপোৰ কিনিছে।

এনেতে ডেকাৰ ল’ৰা বিপুল দ্ৰয়িংৰুমলৈ সোমাস্প আহিল। মি. সিঙে সুধিলে, ‘তুমিনো এতিয়া কি কৰা?’ বিপুলে কলে, ‘মস্প এতিয়া বি. এ. পঢ়ি আছে। বৰ্তমান সাহিত্য প্ৰতিযোগিতাৰ বাবে এখন ৰচনা লিখি আছে।’ বিপুলে দেউতাকক সুধিলে, ‘ৰুদ্ৰসিংহৰ মাক বাপেকৰ নাম কি?’

বিৰাজ ডেকাম্প নাম দুটা মনতো পেলাব নোৱাৰিলে। তেওঁ কলে, ‘কথাবোৰ আজিকালি বৰকৈ মনত নাথাকে। যাচোন, মাৰক সোধগৈ। তেওঁ বুৰঞ্জীৰ ছাত্ৰী।’

হঠাৎ সিঙে মাত দিলে, -- ‘মস্পয়ে কওঁ, শূনা। ৰুদ্ৰসিংহৰ বাপেকৰ নাম গদাপাণি কোঁৱৰ ওৰফে গদাধৰ সিংহ। মাকৰ নাম জয়মতী কুৰঁৰী।’ সিঙৰ উত্তৰত বিপুল আচৰিত হ’ল। সি সুধিলে, ‘আপুনি দেখোন বহুত কথাস্প জানে। এস্পবোৰ কেনেকৈ জানিলে?’

সিঙে কলে, ‘মস্প লুস্পতৰ পানী খাওঁ। অসমৰ বায়ু সেৱন কৰোঁ। গতিকে অসমৰ বুৰঞ্জীও মাজে সময়ে পঢ়োঁ।’ মি. সিঙৰ কথাত, মি. ডেকা, মিচেচ ডেকা আৰু বিপুলে বৰ সন্তোষ পালে।

নয় শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
স্পয়াটলৈ	যहाँ
যোগান	জুগাড় करना

মৰিয়নি	मड़ियनी (असम में एक जगह)
কৰ্মস্থান	कार्यस्थल
চৰকাৰী	सरकारी
বাসভৱন	निवास/आवास
যথা সময়ত	यथासमय
চ'ৰা ঘৰত	झाड़ंगरुम
চিৰা	चिओड़ा
আঠৈ	लावा
মুৰি	लाई
বৰা চাউল	भुँजवा चावल
চুঙা পিঠা	चावल से तैयार किया गया केक
জলপান	जलपान
উৎপাদন	उत्पादन
কিবা কিবি	कुछ न कुछ
জুতি	स्वाद
বয়-বস্তু	चीज़ें
স্পতিসূচক	स्वीकृति हेतु सिर हिलाना
তেনেকৈ	इस तरफ या उस तरफ
মেখেলা চাদৰ	लहंगा और चादर
এৰীয়া	अरंडी
খুৰাদেউ	चाचाजी
লগাস্পছেঁ	(नाम) लिखाया/नाम लिखाना
	पिता
	आजकल

बापेक	जाओ तो
आजिकालि	पूछो (जाकर)
याचोन	उर्फ
सोधगै	ब्रह्मपुत्र नदी का दूसरा नाम
ओबफे	सफेद रेशम और बादामी रेशम, रेशम और मुँगा
लुम्पत	कपड़ा
पी मुगा	इतिहास
कापोब	संतुष्ट, खुश
बुबङ्गी	
सन्तोष	

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. मि. सिंग केतिया असमलै आहिछे?
2. मि. सिंग क'त থাকे?
3. असमीया मानुहब प्रिय जलपान कि?
4. मि. सिंग असमीया परियाललै गैछे ने?
5. तेऊँ असमत कि कि किनिछे?
6. बिपुले एतिया कि कबि आछे?
7. बुबङ्गीर छात्री कोन?
8. मि. सिङे माजे समये कि पढे?

9. মি. ডেকাম্প মি. সিঙকে কিমান দিন লগ পোৱা নাস্প?

10. গদাপাণি ৰুদ্ৰসিংহৰ কোন?

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. বুৰঞ্জী শব্দৰ অৰ্থ _____ । (স্পতিহাস/বুনিয়াদ)
2. বাপেক শব্দৰ মানে _____ । (মোৰ দেউতা/কাৰোবাৰ দেউতাক)
3. লুপ্তত মানে _____ । (লৌগিক হৃদ/ব্রহ্মপুত্র)
4. জুতি শব্দৰ অৰ্থ _____ । (জৌ/সোৱাদ)
5. পৰিয়াল শব্দৰ অৰ্থ _____ । (পৰিবাৰ/মাক-বাপেক, ল'ৰা ছোৱালী আদি)

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

হাফলং উত্তৰ কাছাৰ জিলাত। হাফলং এখন পাহাৰীয়া ঠাম্প। স্পয়াৰ প্ৰাকৃতিক দৃশ্য বৰ মনোৰম। জাতিংগা হাফলঙৰ পৰা বেছি দূৰত নহয়। জাতিংগা পৰিভ্ৰমী চৰাস্পৰ বাবে বিখ্যাত।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मालती कभी असम नहीं गई। उसने असम की जानकारी इंटरनेट से प्राप्त की है। मालती और ललिता को प्राकृतिक दृश्य को देखने का बड़ा शौख है। वे पन्द्रह दिन की असम यात्रा पर जा रही हैं।

V. असमिया जलपान के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. १ से ५ पाठ तक वर्तमान काल के विभिन्न रूप सिखाए गए हैं। 'खा-' (खाना) और 'कर-' (करना) धातु के विभिन्न रूपों की एक सारिणी नीचे दी जा रही है।

‘खा-’ (सामान्य कथनात्मक)

मम्प	थाँ	थाम्पछों	थाम्प आछों
तम्प	थार	थाम्पछ	थाम्प आछ
तुमि	थोरा	थाम्पछा	थाम्प आछा
आपुनि	थाय	थाम्पछे	थाम्प आछे
तेँ/सि/ताम्प	थाय	थाम्पछे	थाम्प आछे

‘कर-’ (सामान्य कथनात्मक)

मम्प	कबों	कबिछों	कबि आछों
तम्प	कब	कबिछ	कबि आछ
तुमि	कबा	कबिछा	कबि आछा
आपुनि	कबे	कबिछे	कबि आछे
तेँ/सि/ताम्प	कबे	कबिछे	कबि आछे

‘खा-’ (आज्ञावाचक)

‘कर-’ (आज्ञावाचक)

तम्प	था	थाम्प थाक	कब	कबि थाक
तुमि	थोरा	थाम्प थाका	कबा	कबि थाका
आपुनि	थाक	थाम्प थाकक	कबक	कबि थाकक

2. नेतिवाचक क्रियारूप तैयार करना बहुत आसान है। इसके लिए सामान्य वर्तमान और आज्ञावाचक क्रिया के आगे नेतिवाचक उपसर्ग ‘न-’ जोड़ा जाता है। क्रिया के आदि में जो

स्वर होता है 'न-' के साथ भी उसी स्वर पुनरावृत्ति होती है। पूर्ण वर्तमान में धातु के साथ 'न-आ' (-आ) जोड़कर बाद में 'नाम्प' (नाइ) परसर्ग जोड़ा जाता है। (आज्ञावाचक का नेतिवाचक रूप अलग ढंग से बनाया जाता है।) जैसे --

करौँ	: नकरौँ	करिछौँ	: कबा नाम्प
दिउँ	: निदिउँ	दिछौँ	: दिया नाम्प
थाय	: नाथाय	थाम्पछौँ	: थोरा नाम्प
पट्टे	: नपट्टे	पट्टिछे	: पट्टा नाम्प
पट	: नपट	देथिछ	: देथा नाम्प

3. असमिया अन्यपुरुष के सर्वनाम में कुछ भेद है। यह निम्नप्रकार के हैं।

	एकवचन		बहुवचन	
	समिप्य में	दूर में	समिप्य में	दूर में
तुच्छार्थ	म्प (पुरुष) एम्प (स्त्री)	सि (पुरुष) ताम्प (स्त्री)	म्पहँत एम्पहँत	सिहँत ताम्पहँत/सिहँत
सामान्यार्थ	एउँ	तेउँ	एउँलोक	तेउँलोक
मान्यार्थ	एथेत	तेथेत	एथेतसकल	तेथेतसकल

4. विभक्ति जोड़ने पर इनका रूप निम्नप्रकार परिवर्तन होता है।

कर्मकाबक	सम्बन्ध
म्प + -क > मोक	म्प + -ब > मोब

তম্প + -ক >	তম্প + -ৰ >
তোক	তোৰ
তুমি + -ক > তোমাক	তুমি + -ৰ > তোমাৰ
আপুনি + -ক >	আপুনি + -ৰ >
আপোনাক	আপোনাৰ
সি + -ক > তাক	সি + -ৰ >
	তাৰ